

समाचार सार

जीई एयरोस्पेस 2030 तक भारत में सप्लायर्स पर खर्च दोगुना करेगा

रांची : जीई एयरोस्पेस ने 2030 तक भारत में घरेलू आपूर्तिकर्ताओं पर अपना खर्च लगभग दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी ने 2025 में इस पर करीब 20 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। इस कदम का उद्देश्य भारत में बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने और विमानन क्षेत्र की विनिर्माण क्षमता मजबूत करने में मदद करना है। कंपनी के दक्षिण एशिया के सीईओ विक्रम राय ने कहा कि भारत में निवेश से पुर्जों के निर्माण, इंजीनियरिंग और आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी के अनुसार, दिसंबर 2025 तक भारत में वाणिज्यिक विमानों में उसके और भागीदारों के 1,400 से अधिक इंजन इस्तेमाल हो रहे थे।

भीम ऐप से तत्काल एनपीएस खाता खोलने की सुविधा शुरू

रांची: एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने भीम पेमेंट्स ऐप पर तत्काल एनपीएस खाता खोलने की सुविधा शुरू की है। इसके तहत 18 से 85 वर्ष के पात्र भारतीय नागरिक बिना बैंक शाखा जाए तीन चरणों में खाता खोल सकते हैं। इसके लिए यूपीआई से न्यूनतम 250 रुपये का पहला अंशदान करना होगा। फिलहाल यह सुविधा छह बैंकों के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। इसका उद्देश्य पेंशन खाता खोलने की प्रक्रिया आसान बनाना और लोगों को सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

ग्रामीणों ने किया श्रमदान, 8 किमी जर्जर सड़क पर खुद भरी मिट्टी



खुंटी : आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी जनजातीय समुदाय के लोगों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। इसका उदाहरण **खुंटी**-कोलैबरा राजमार्ग पर ओरमेंजा से पोकला रेलवे स्टेशन तक जाने वाली करीब 8 किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क है। सड़क निर्माण की मांग को लेकर बार-बार गुहार लगाने के बावजूद ठोस पहल नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने अब खुद श्रमदान कर समस्या का समाधान करने की कोशिश की है। लेटर, पाकुट, ओरमेंजा और आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा कर जेसीबी और ट्रैक्टर किराये पर मंगवाए। इसके बाद गांव के नजदीक से मिट्टी लाकर करीब तीन किलोमीटर तक सड़क के गड्ढों में भराई कराई। ग्रामीणों ने खुद कुदाल चलाकर सड़क को चलने लायक बनाने का प्रयास किया, ताकि लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से कुछ राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर सड़क के निर्माण की मांग को लेकर खुंटी के सांसद और विधायक को कई बार आवेदन सौंपे गए। इसके बावजूद पक्की सड़क के निर्माण की दिशा में अब तक पहल नहीं होने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। बारिश के दिनों में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से छोटे-बड़े वाहन चालकों, साइकिल और मोटरसाइकिल सवारों के साथ स्कूली छात्र-छात्राओं को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस सड़क से खुंटी जिले के लेटर तथा गुमला जिले के पाकुट, ओरमेंजा, कीतापीड़ी, रामतोलया, उरुगुटु, बहमनी, महुआ टोली और केनालोया गांवों के ग्रामीण प्रभावित हैं। ग्रामीणों के श्रमदान ने सांसद, विधायक और जिला प्रशासन के सामने बुनियादी सुविधाओं को लेकर जवाबदेही का सवाल खड़ा कर दिया है। अब जरूरत है कि संबंधित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल करें, ताकि लोगों को हर साल जर्जर सड़क की परेशानी से जूझना न पड़े।

108 एम्बुलेंस कर्मचारियों का चरणबद्ध आंदोलन जारी



रांची : झारखंड में 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों का चरणबद्ध आंदोलन जारी है। संघ के द्वारा कल गुरुवार रात 8 बजे से सेवा बाधित की गयी है, 17 अक्टूबर सुबह 8 बजे तक 40 घंटे सेवा बाधित रहने की घोषणा की गयी है।

बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली और लंबित वेतन भुगतान की मांग को लेकर कर्मचारी आज शुक्रवार को ठल्ट कार्यालय के समक्ष अपनी मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेंगे।

अगर इसके बाद भी उनकी मांगे पूरी नहीं होती है, तो आंदोलन के अगले चरण में 21 अक्टूबर 2026 से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की घोषणा की गई है। कर्मचारियों ने सरकार पर मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया है। साथ ही समाधान नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की भी चेतावनी दी है।

एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष हो: लाल किशोर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मतदाता सूची में मतदाता सत्यापन एवं सुधार प्रक्रिया को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि एसआईआर और चुनाव आयोग के अन्य फैसलों के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में संयुक्त याचिका दायर की है। इस याचिका के माध्यम से एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने और चुनाव आयोग के कुछ निर्णयों के खिलाफ राहत की मांग की गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अदालत के फैसले से जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा हो सकेगी। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी सत्य, न्याय और पारदर्शिता के रास्ते पर चलते हुए सड़क से लेकर सदन तक युवाओं और जनता की आवाज उठाती रहेगी। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायसंगत बनाया जाना आवश्यक है ताकि राज्य के युवाओं और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल और केंद्र सरकार चुनावी लाभ हासिल करने और संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लगातार संघर्षरत है। पार्टी ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए सोची-समझी रणनीति के तहत पात्र मतदाताओं और विपक्षी समर्थकों के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं।

महापौर रोशनी खलखो ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रांची : रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार और निगम क्षेत्र के वार्ड पार्श्वों ने गुर्खार को रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री की दिवंगत माता स्वर्गीय रूपी सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं।

सिटी

जामताड़ा मेडिकल कॉलेज की स्थापना का रास्ता साफ, जल्द होगा शिलान्यास

जामताड़ा मेडिकल कॉलेज आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव बनेगा : डॉ इरफान अंसारी

◀पीपीपी मॉडल पर 100 एमबीबीएस सीटों वाले कॉलेज की पहल ▶सदर अस्पताल 100 से बढ़कर 420 बेड का होगा

संवाददाता

रांची : जामताड़ा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की पहल पर राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत मेडिकल कॉलेज परियोजना के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल्द ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास करेंगे। मेडिकल कॉलेज की स्थापना से जामताड़ा समेत आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ चिकित्सा शिक्षा और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटें होंगी। इसके साथ ही जामताड़ा सदर अस्पताल की मौजूदा 100 बेड की क्षमता को बढ़ाकर 420 बेड



करने की योजना है। इससे जिले के लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। खासकर गरीब और जरूरतमंद परिवारों को

अपने जिले में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

परियोजना के लिए मणिमहेश

हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड, आई केयर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च तथा डॉ. बिधान चंद्र राय हॉस्पिटल से संबंधित चयन प्रक्रिया के तहत एलओआई

नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी वर्गों को आगे आने की जरूरत : मो. इसलाम

दुर्गा पूजा में आपसी सौहार्द बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने की अपील, समिति के सदस्यों को दिए गए पहचान पत्र



संवाददाता

रांची : नशे जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने और समाज में आपसी सौहार्द बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सर्वधर्म सद्भावना समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) प्रदान किए गए। सदस्यों से अपील की गई कि वे दुर्गा पूजा के दौरान असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखें और पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम ने की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संजय मिनोचा, सह संयोजक विनोद कुमार यादव

तथा समाजसेवी सागर कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान दुर्गा पूजा के अवसर पर शांति, सुरक्षा और आपसी सौहार्द बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सर्वधर्म सद्भावना समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) प्रदान किए गए। सदस्यों से अपील की गई कि वे दुर्गा पूजा के दौरान असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखें और पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में अपना योगदान दें।

युवाओं को सही राह पर लाना समाज की नैतिक जिम्मेदारी :मुख्य अतिथि संजय मिनोचा, विनोद कुमार यादव एवं समाजसेवी सागर कुमार ने अपने

संबोधन में सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज से भटके युवाओं को सही राह पर लाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए युवाओं के बीच व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और सौहार्द को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

नशामुक्त समाज के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम ने कहा कि पिछले कई वर्षों से सर्वधर्म सद्भावना समिति के सदस्य आपसी सौहार्द और सौहार्द को मजबूत करने के लिए लगातार

काम कर रहे हैं। इस वर्ष भी समिति के सभी सदस्य पूरे उत्साह के साथ दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सद्भावपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए एक बड़ा अभिशाप है। इसके खिलाफ सभी को मिलकर संघर्ष करना होगा। विशेष रूप से युवाओं को नशे की बुराई से दूर रखने, उन्हें जागरूक करने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने की आवश्यकता है। सामूहिक प्रयासों से ही नशामुक्त और विकसित समाज का निर्माण किया जा सकता है।

ये लोग रहे उपस्थित : कार्यक्रम में मो. इसलाम, संजय मिनोचा, विनोद सिंह यादव, सागर कुमार, मो. इस्तेयाक, परवेज आलम, नौशाद आलम, नौशाद खान, जबीउल्लाह, आजाद अली (अधिवक्ता), नुरसत परवीन, सुहैल खान, मो. मोजाहिद, नकीब, मो. रईस, हसनैन, असलम अली, जसीम हसन, इनायतुल्लाह, अली राजा, मो. अजीम, जफर शाह शयान, शहजाद बक्लू, साजिद उमर, दानिश खान, जमाल अख्तर, मो. शोएब, मो. मोईन, साहिल कुमार, पवन कुमार, विशाल कुमार, राहुल बर्नवाल, विशाल शर्मा एवं राहुल कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की माता रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि देने नेमरा पहुंचे विभिन्न दलों के नेता

दिवंगत रूपी सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर हेमंत सोरेन से की मुलाकात

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता स्व. रूपी सोरेन के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने के लिए गुरुवार को उनके पैतृक गांव नेमरा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। केंद्रीय मंत्री, राज्य के मंत्री, विधायक, मेयर, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता, प्रशासनिक अधिकारी, खिलाड़ी और आम लोगों ने दिवंगत रूपी सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सभी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान पूरे नेमरा गांव में शोक और संवेदना का माहौल रहा। मुख्यमंत्री से मिलने और दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि देने वालों में केंद्रीय



मंत्री अन्नपूर्णा देवी, झारखंड के मंत्री दीपक बिरुआ, विधायक संजय सिंह यादव, आलोक सोरेन और अमित कुमार यादव, रांची की महापौर रोशनी खलखो, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व मंत्री

हेमलाल मुर्मू और मिथिलेश ठाकुर शामिल रहे। इनके अलावा पूर्व विधायक विनोद सिंह, लक्ष्मी टुडू, अकील अख्तर, निजामुद्दीन अंसारी, नारायण दास और ताला मरांडी तथा बिहार के पूर्व विधायक

जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोली एक रुपये में प्राप्त हुई है। राज्य सरकार पीपीपी मॉडल के तहत रांची, खुंटी, जामताड़ा, गिरिडीह और धनबाद में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी काम कर रही है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इस पहल को जामताड़ा के लाखों लोगों के सपनों और उम्मीदों से जुड़ा बताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि जिले की जनता के विश्वास और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। जामताड़ा की पहचान अब पुरानी छवि तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि चिकित्सा, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में जिला नई पहचान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि जामताड़ा की जनता से मिले प्यार, आशीर्वाद और विश्वास को वह कभी नहीं भूल सकते। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन और जनता की

दुआओं से मेडिकल कॉलेज का सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका लक्ष्य है कि गरीब से गरीब व्यक्ति को अपने जिले में बेहतर इलाज मिले, किसी मां को अपने बच्चे के उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़े और किसी परिवार को इलाज के खर्च के लिए अपना घर-बार न बेचना पड़े।

डॉ अंसारी ने कहा कि जनता की सेवा ही उनका सबसे बड़ा धर्म है। स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना, गरीबों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना और विकास का लाभ बिना भेदभाव हर व्यक्ति तक पहुंचाना उनका संकल्प है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, विशेष सचिव नेहा अरोड़ा, विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों, रिस्म के निदेशक डॉ. वीके सिंह और अधीक्षक हरेंद्र बेरवा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बस के लिए परमिट प्रक्रियाओं के सरलीकरण की मांग



रांची : परिवहन व्यवसायियों को बस परमिट के नवीनीकरण, उच्चतर मॉडल की बसों से प्रतिस्थापन तथा अस्थायी परमिट निर्गत कराने में हो रही समस्याओं को लेकर चैम्बर भवन में बैठक हुई। चर्चा के क्रम में विभागीय सचिव को पत्राचार कर बस व्यवसायियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए इनके शीघ्र निराकरण का आग्रह किया गया।

यह कहा गया कि बस परमिट के नवीनीकरण के लिए जुलाई 2024 से लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्यादन किया जाना आवश्यक है। अधिकांश आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किए गए हैं। ऐसे में वाहन पोटल पर उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार परमिट नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी करने का सुझाव दिया गया। इसके अतिरिक्त, परमिट पर संचालित पुरानी बसों को उच्चतर मॉडल की नई बसों से प्रतिस्थापित करने की प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की गई। यह कहा गया कि प्रतिस्थापन की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब होने से ऋण एवं क्रिस्तों पर खरीदी गई नई बसें खड़ी रह जाती हैं, जिससे बस संचालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस कार्य को पूर्व की तरह निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने वाली सुगम व्यवस्था लागू करने का आग्रह किया गया।

बैठक में पूजा, शादी-विवाह, पर्यटन, मेला एवं अन्य आयोजनों के लिए एक से 28 दिनों तक के अस्थायी टेका परमिट निर्गत करने की प्रक्रिया को भी सरल बनाने पर चर्चा हुई। चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने विभागीय सचिव से आग्रह किया कि बस व्यवसायियों की व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए परमिट संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में आवश्यक पहल की जाए।

बैठक में चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल, उपाध्यक्ष विकास विजयवर्गीय, सह सचिव अमित शर्मा और कोषाध्यक्ष नवजोत अलंग उपस्थित थे।

बीएसएल विस्थापित युवाओं के आंदोलन को कांग्रेस का समर्थन, बोकारो जाएंगे प्रदेश अध्यक्ष

रांची: बोकारो इस्पात संघंन (बीएसएल) के विस्थापित युवाओं की मांगों को लेकर जारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के झारखंड प्रभारी के. राजू के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर बोकारो जाएंगे। वहां वे विधायक श्वेता सिंह से मुलाकात कर उनके नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के प्रति पार्टी का समर्थन व्यक्त करेंगे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि आंदोलन में शामिल कुछ युवाओं के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना पर पार्टी ने चिंता जताई है। कांग्रेस ने बीएसएल प्रबंधन और जिला प्रशासन से आंदोलनकारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए महाअष्टमी से पहले समाधान की दिशा में ठोस पहल करने और लिखित आश्वासन देने का आग्रह किया है।

आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में बीएसएल-प्रशिक्षित अप्रेंटिसें की सीधी भर्ती पर निर्णय, दिवंगत आंदोलनकारी प्रेम प्रसाद (प्रेम महतो) के आश्रित को स्थायी नौकरी तथा भूमि देने वाले विस्थापित परिवारों के रोजगार से संबंधित आवश्यक नियम निर्धारित करना शामिल है।

मुंजनी ने बताया कि कांग्रेस सांसदों के माध्यम से इस मामले को केंद्रीय इस्पात मंत्रालय के समक्ष उठाने के लिए औपचारिक अभ्यावेदन तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विस्थापित परिवारों के अधिकारों और युवाओं के रोजगार से जुड़े मुद्दे का समाधान संवाद, संवेदनशीलता और समयबद्ध कार्रवाई से होना चाहिए। कांग्रेस आंदोलनरत युवाओं के साथ खड़ी है और उनकी न्यायसंगत मांगों के समाधान के लिए प्रयास करती रहेगी।

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मर्ज का वाजिब खर्च

अक्सर मरीजों द्वारा उपचार के दौरान मनमाने दाम वसूलने और कीमतों में पारदर्शिता के अभाव के आक्षेप लगाये जाते रहे हैं। ये केवल पांच सितारा अस्पतालों के संदर्भ में ही नहीं है, क्लिनिकों,सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान उपचार खर्च में पारदर्शिता के अभाव का जिक्र होता है। जो अकसर कमजोर वगों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये रोग से बड़ा सिरदर्द बन जाता है। इस समस्या के मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अकसर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले विलीय बोझ से बच सकेगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स(केंद्र सरकार) नियम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें,जहां मरीज व उनके तिमारदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमतों की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। दरअसल, केंद्र प्राइवेट अस्पताल व क्लिनिकों के संचालक इन निदेशों को लागू करने के बावत तमाम तरह के किंतु-परंतु गिनाते हैं। उनकी दलील है कि इन नियमों को लागू करने से उपचार की आर्थिक व्यवहार्यता कमजोर हो सकती है। जिसके चलते उपचार की परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे और क्लिनिकल विशेषज्ञता में अंतर को नजरअंदाज किया जा सकता है। निस्संदेह, इन चिंताओं पर विचार तो जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें कीमतों से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक अच्छी सुविधाओं वाले प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल की लागत संरचना में अंतर होना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, मरीजों को इलाज के लिये सहमति देने से पहले यह जानने का अधिकार तो होना ही चाहिए कि उनकी जेब कितनी ढीली होने वाली है। इसके साथ ही देश में मेडिकल या आयुष वीजा पर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय मरीजों के लिये केंद्र सरकार का ह्रपैकेज रेह्म पर जोर देना भी काफी महत्वपूर्ण है। जिससे विदेशी मरीजों से मनमाने चार्ज न वसुले जा सकें। देश में बढ़ते मेडिकल टूरिज्म के विस्तार के लिये भी यह जरूरी है कि उपचार की लागत में पारदर्शिता बनी रहे। इससे देश की विश्वसनीयता भी बढ़ सकती है। निश्चित रूप से उपचार शुल्क में पारदर्शिता लाने से शससे जुड़े तमाम विवाद कम हो सकते हैं। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब नियमित निरीक्षण, शिकायत दर्ज करने की सहज-सुलभ व्यवस्था और नियमों का लगातार पालन न करने पर उचित दंड के जरिये इन निदेशों को अमल में लाना चाहिए। सही सूचना देने में देरी, गलत जानकारी और कीमतों में अनिश्चितता मरीजों की परेशानी को और बढ़ा सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मरीजों को न केवल इलाज की सुविधा समय पर मिलनी चाहिए, बल्कि इलाज के खर्च के बारे में भी सही और भरोसेमंद जानकारी तो मिलनी ही चाहिए। यह हमारे चिकित्सा तंत्र में भरोसा बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानसा में नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की हत्या वाताी है कि इस जहरीले कारोबार के खिलाफ लड़ाई कितनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुखर होने वाले जिम्मेदार नागरिकों को सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन के गंभीर होना होगा। नशे की लत लगाने वाली टेबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद सरेआम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में सलिलत लोगों के दुस्साहस का पता चलता है। घटना वाताती है कि इस बुराई के खिलाफ काम करने वाले लोगों को सुरक्षा देने में हमारा तंत्र नाकाम हुआ है। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले गांव के वॉलंटियर्स की हत्याएं पहले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी परेशान करने वाली बात यह भी है कि हमलावर व मृतक के बीच रंजिश का पुराना इतिहास रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी कुमार के खिलाफ प्रतिबंधित कैप्सूल बेचने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवायी थी। तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दम किया था, लेकिन परविंदर सिंह पर भी कानून अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पहनाकर बाजार में घुमाया था। अब तीन साल बाद, उसी दुकान पर हुई एक और झड़प में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह की मौत हो गई। गोलीबारी की इस घटना में परमिंदर के चार साथी भी घायल हुए हैं। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहां सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह को खुद इसके खिलाफ क्यों खड़ा होना पड़ा? उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बटिंडा में जसवीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की भी हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएं नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के मामले में वारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानसा की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई? क्या पहले भी ऐसी धमकियां दी गई थीं? साथ ही पुलिस को यह भी बताना चाहिए कि पिछली शिकायत पर क्या कोई ठोस कार्रवाई हुई थी? क्या प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री के मामले में संबंधित विभागों व पुलिस द्वारा टीक से जांच की गई थी? क्या ड्रग कंट्रोल अधिकारियों ने दुकान में प्रतिबंधित दवाओं की मौजूदगी की पड़ताल की थी? वक्त की जरूरत है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की वरिष्ठ पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ हुई बैठक का नतीजा ठोस कार्रवाई के रूप में निकलना चाहिए। अब पहले की तरह सिर्फ आश्वासन से काम नहीं चलने वाला। वास्तव में समय रहते गैर-कानूनी दवा बिक्री की शिकायतों की जांच होनी चाहिए।

अनियंत्रित भीड़ को 'शिव बारात' की उपमा देकर राहुल गांधी ने हिंदू भावनाओं को पहुँचाई ठेस!

शिव बारात का धार्मिक महत्त्व इसी दिव्य विवाह से जुड़ा है। इसमें शिवगणों, नंदी, देवताओं और ऋषियों की सहभागिता का वर्णन मिलता है। लोकपरंपरा में भूत-प्रेत और विचित्र रूप वाले गणों के चित्रण ने इस बारात को एक विशिष्ट पहचान दी है। यह शिव के उस स्वरूप की याद दिलाता है जो बाहरी रूप, वैभव और सामाजिक प्रतिष्ठा की सीमाओं से परे है।

ले ही राहुल गांधी ने 12 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में अपने राजनीतिक मार्च को ह्यशिव बारातह्म कहकर केवल एक उपमा दी हो, लेकिन सवाल यह है कि क्या भगवान शिव की बारात जैसे पवित्र धार्मिक प्रसंग को राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करना उचित था? जिस बारात का संबंध देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के दिव्य विवाह से है, उसे एक राजनीतिक आंदोलन का नाम देते समय क्या उसकी धार्मिक गरिमा और करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं

नीरज कुमार दुबे

का ध्यान नहीं रखा जाना चाहिए था?

हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के मार्च के दौरान कहा था कि यह शिव की बारात है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। उन्होंने आंदोलन की तुलना भगवान शिव के तांडव से भी की थी। उनका आशय आंदोलन को स्वतःस्फूर्त और सबके लिए खुला बताया था। लेकिन इसी बयान ने

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है।

निया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में

ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विडम्वना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे

योगेश कुमार गोयल

बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को ह्यविश्व खाद्य दिवसह्म मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है ह्यआज नवाचार करें। कल का पोषण करें।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास

धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल पर विवाद खड़ा कर दिया है। विश्व हिंदू परिषद ने उनकी टिप्पणी की आलोचना करते हुए सार्वजनिक माफी की माँग की है। देखा जाये तो यहाँ सवाल केवल एक उपमा का नहीं, बल्कि उस धार्मिक प्रतीक के अर्थ का है जिसे भारतीय समाज में विशेष श्रद्धा के साथ देखा जाता है। राहुल गांधी को शायद पता नहीं कि शिव बारात कोई सामान्य जुलूस नहीं है। शिवपुराण की रुद्रसंहिता के पार्वतीखंड में भगवान शिव की विवाह-यात्रा का विस्तृत वर्णन मिलता है। अध्याय 40 में शिव की बारात का प्रसंग है। इसके बाद विवाह की तैयारियों, शिव के हिमालय पहुँचने और विवाह-संस्कार का वर्णन आगे के अध्यायों में आता है। अध्याय 48 में पुरोहितों द्वारा तिथि आदि बताए जाने और शुभ समय आने के बाद विवाह-संस्कार प्रारंभ होने का उल्लेख है। शिव बारात का धार्मिक महत्त्व इसी दिव्य विवाह से जुड़ा है। इसमें शिवगणों, नंदी, देवताओं और ऋषियों की सहभागिता का वर्णन मिलता है। लोकपरंपरा में भूत-प्रेत और विचित्र रूप वाले गणों के चित्रण ने इस बारात को एक विशिष्ट पहचान दी है। यह शिव के उस स्वरूप की याद दिलाता है जो बाहरी रूप, वैभव और सामाजिक प्रतिष्ठा की सीमाओं से परे है। इसीलिए शिव बारात को केवल लोगों की भीड़, नारेबाजी या

किसी राजनीतिक आंदोलन के लिए सुविधाजनक उपमा मान लेना श्रद्धालुओं को असहज कर सकता है। धार्मिक प्रतीक की अपनी गरिमा होती है और उसका इस्तेमाल किस संदर्भ में किया जा रहा है, यह महत्त्वपूर्ण है। साथ ही यहां यह सवाल भी उठता है कि क्या शिव बारात किसी भी दिन निकल सकती है? देखा जाये तो हिंदू धर्म में धार्मिक पर्व, विवाह-संस्कार और शोभायात्रा के अपने अलग-अलग नियम और परंपराएँ हैं। महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का सबसे प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर देशभर में शिव बारात निकाली जाती है और शिव-पार्वती विवाह की झाँकियाँ सजाई जाती हैं। वहीं, शास्त्रोक्त विवाह-संस्कार में तिथि, पंचांग और शुभ मुहूर्त का विशेष महत्त्व होता है। शिवपुराण में भी शिव-पार्वती विवाह के प्रसंग में तिथि और शुभ समय का उल्लेख मिलता है। साथ ही परम्परागत रूप से शिव बारात महाशिवरात्रि के दिन ही निकाली जाती है। नंदी, देवताओं और ऋषियों का अन्य दिवसों पर शिव बारात का आयोजन होता हो। सामान्य धार्मिक शोभायात्रा किसी स्थानीय उत्सव या मंदिर की परंपरा के अनुसार अन्य अवसरों पर भी निकाली जा सकती है। इसके विपरीत, यदि आयोजन को विधिवत शिव-विवाह या किसी विशिष्ट पर्व का शास्त्रोक्त अनुष्ठान बताया जा रहा है, तो संबंधित तिथि, पूजा-

विधान, मुहूर्त और परंपरा का पालन अपेक्षित है। साथ ही राहुल गांधी को यह भी समझना चाहिए कि भगवान शिव की बारात में धक्के मारने या कोहनी से दूसरों को मारने या किसी को कॉलर पकड़ कर पीछे धकेलने की कोई परम्परा नहीं है। शिव बारात में भक्ति, श्रद्धा और उत्सव का भाव होता है, न कि किसी को धक्का देने या कोहनी मारकर आगे बढ़ने का। भले ही राहुल गांधी की उपमा का उद्देश्य अपने राजनीतिक मार्च को सबके लिए खुला बताना रहा हो, लेकिन सवाल यह है कि इसके लिए भगवान शिव की बारात जैसे पवित्र प्रसंग को ही क्यों चुना गया? क्या एक राजनीतिक आंदोलन में शामिल भीड़ की तुलना शिव बारात से करना उचित था? और क्या ऐसी तुलना शिव बारात की धार्मिक छवि को एक अनियंत्रित भीड़ के रूप में प्रस्तुत नहीं करती? बहरहाल, राहुल गांधी के इस बयान ने धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल और सनातन परंपराओं के प्रति संवेदनशीलता को लेकर एक गंभीर बहस छेड़ दी है। देखा जाये तो लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन उस विरोध को व्यक्त करने के लिए करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े प्रतीकों का इस्तेमाल करते समय उनकी गरिमा का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है।

जुरूत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं

और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं। आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार

खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्राय: मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के ह्यखाद्य एवं कृषि संगठनह्म के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालांकि, ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुंच और उपलब्धता है।

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के

लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवन्यापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों की अधिक मात्रा तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है।

बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूँढ़ने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए किकाफरती पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का हलकर समाधान करना होगा।

भारत के आठ प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर जहा वैंष्णो देवी और कामाख्या की पौराणिक मान्यता है

लाखों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, दुर्गा के माथे से यह अवतार उत्पन्न हुआ था। उन्होंने चंड और मूंड नामक राक्षसों का वध किया था। इन राक्षसों ने देवी दुर्गा के ध्यान में खलल डालने की कोशिश की और संसार में अत्याचार किया था। मंदिर में देवी दुर्गा को योग्दा के रूप को बाध की खाल और खोपड़ी की माला से सुशोभित किया गया है।

चामुंडेश्वरी मंदिर, कर्नाटक

मैसूर के पास स्थित चामुंडी पहाड़ियों पर यह मंदिर स्थित है। यह मंदिर करीब 600 साल पुराना है और देवी दुर्गा के चामुंडा रूप को समर्पित है। देवी चामुंडा ने महिषासुर का वध किया था और राजा चामराजा वाडियार यहां पर बिजली गिरने से बच गए थे।

कनक दुर्गा मंदिर, आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के पास विजयवाड़ा में इंद्रकोलादी पहाड़ी पर यह मंदिर है। इस मंदिर में स्वर्ण देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करते दर्शाया गया है। करीब 10वीं शताब्दी में चालुक्य राजाओं ने मंत्र शास्त्र की मूर्तियों से साथ इसका निर्माण कराया था। नवरात्रि के मौके पर यहां भक्तों की भारी भीड़ होती है।

कालकाजी मंदिर, दिल्ली

भारत के सबसे प्राचीन मंदिरों में शामिल कालकाजी मंदिर 3000 साल से ज्यादा पुराना है। यह दिल्ली के नेहरू प्लेस के पास अरावली की पहाड़ियों पर स्थित है। यह मंदिर पांडवों और श्रीकृष्ण की उपस्थिति से जुड़ा है। पौराणिक कथा के मुताबिक देवी पार्वती ने दो राक्षसों को पराजित करने के लिए अपनी कोख से देवी कौशिकी को जन्म दिया था। तब से इस स्थान पर देवी की पूजा की जाती है।
कात्यायनी मंदिर, वृंदावन

यह मंदिर वृंदावन के सबसे लोकप्रिय और प्राचीन मंदिरों में से एक है। हर साल लाखों की संख्या में भक्त देवी कात्यायनी के दर्शन के लिए इस मंदिर में आते हैं। पौराणिक कथा के मुताबिक यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण के युग का है। माना जाता है कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण को पति के रूप में पाने के लिए देवी कात्यायनी की पूजा की थी।

चामुंडा देवी, हिमाचल प्रदेश

चामुंडा देवी हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के पास स्थित है। हर साल हजारों-



गुफा मिली और यहां पर उन्होंने शरण लेकर ध्यान करना शुरूकर दिया। लेकिन तंत्रिक गुफा में प्रवेश करने के लिए उनको परेशान कर रहा था। जिसके बाद वैंष्णो देवी ने भैरव नाथ का सिर काटकर उसका वध कर दिया। बाद में यह गुफा तीर्थस्थल के रूप में स्थापित हुई। इस पवित्र गुफा की खोज करीब 700 वर्ष पूर्व पंडित श्रीधर ने की थी।

दुर्गा मंदिर, वाराणसी

वाराणसी का दुर्गा मंदिर 18वीं शताब्दी में बना था। इसको रानी भवानी

मेट्रो रेज की ओर से स्वाताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवायों एवं दंडित परिवदों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028
website : **email :** metrorays.ranchi@gmail.com

अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर राजमहल प्रखंड सभागार में कृषक गोष्ठी

महिला किसानों के सशक्तीकरण एवं कृषि विकास पर हुई विशेष चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज :अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान दिवस 2026 के अवसर पर प्रखंड सभागार राजमहल में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिला किसानों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना, उन्हें आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना तथा कृषि के माध्यम से उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देना रहा गोष्ठी के दौरान कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की गई। वक्ताओं ने खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ व वैज्ञानिक बनाने के लिए उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने, कृषि संबंधी नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने तथा उपलब्ध सरकारी योजनाओं



का लाभ उठाने पर जोर दिया। साथ ही, महिला किसानों की भागीदारी बढ़ाने, उनकी आजीविका को सुदृढ़ करने तथा उन्हें कृषि एवं इससे जुड़े अन्य गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों जन प्रतिनिधियों ने महिला किसानों के परिश्रम सम्पूर्ण

और योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला किसानों को उचित मार्गदर्शन, तकनीकी जानकारी एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकते हैं।इस अवसर पर प्रखंड

प्रमुख श्रीमती लक्ष्मी उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी श्री मोहम्मद युसुफ, जिला परिषद सदस्य श्री अब्दुल बारीक, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में महिला किसान उपस्थित थीं।

ओडिशा के राज्यपाल ब्रजमोहन राम से मिले विधायक प्रकाश राम, दी बधाई

संवाददाता

लातेहार : ओडिशा के नवनियुक्त राज्यपाल ब्रजमोहन राम से गुरुवार सुबह लातेहार विधायक प्रकाश राम ने मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने उन्हें ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही नई संवैधानिक जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करने की कामना की।

ब्रजमोहन राम के राज्यपाल बनने से लातेहार, चंदवा सहित पूरे पलामू प्रमंडल में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के लोगों के लिए यह गौरव और सम्मान का विषय है। उनके राज्यपाल नियुक्त होने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों की ओर से लगातार बधाई देने का सिलसिला जारी है।

विधायक प्रकाश राम की



ब्रजमोहन राम से हुई मुलाकात के दौरान उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि ब्रजमोहन राम अपने अनुभव और कार्यकुशलता से राज्यपाल के रूप में संवैधानिक दायित्वों का बेहतर निर्वहन करेंगे। उनके इस महत्वपूर्ण पद पर पहुंचने से क्षेत्र की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

संवाददाता

साहिबगंज : दुर्गा पूजा और दशहरा त्योहारों के मद्देनजर आमजनों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपयुक्त के निदेशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बरहरवा बरहेट प्रखंड के विभिन्न होटलों, किराना दुकानों तथा मिठाई दुकानों में संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया।यह अभियान गोड्डा की खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुश्री रवेता अमृता लकड़ा साहिबगंज के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री आशीष कुमार वर्मा एवं श्री नौरंगदेव कुमार के संयुक्त नेतृत्व में संचालित किया गया। जांच के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा मानकों, साफ-सफाई की स्थिति तथा



आवश्यक एफएसएसआई लाइसेंस एवं पंजीकरण की जांच की गई।खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की पुष्टि के लिए संयुक्त जांच दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 12 खाद्य नमूने संग्रहित किए गए। इनमें 10 प्रवर्तन नमूने 2 निगरानी नमूने शामिल हैं। संग्रहित नमूनों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

पेयजल और स्वच्छता प्रमंडल की बैठक जल जीवन मिशन की योजनाओं की समीक्षा



संवाददाता

साहिबगंज : उपयुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अंतर्गत योजनाओं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना, ब्लक वाटर सप्लाई योजना एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने संबंधित

पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने लॉबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने एवं योजनाओं के प्रभावी अनुश्रवण पर विशेष बल दिया।

बैठक में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग श्री शशि शेखर सिंह, संबंधित सहायक अभियंता, कनीय अभियंता व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग का संयुक्त जांच अभियान, 12 खाद्य नमूने संग्रहित

में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही दुकानों, रसोईघरों तथा खाद्य पदार्थों के भंडारण स्थलों पर साफ-सफाई बनाए रखने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की हिदायत दी गई।खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006के प्रावधानों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों में मिलावट, हानिकारक रंगों का प्रयोग अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण अथवा बिक्री तथा आवश्यक लाइसेंस एवं पंजीकरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्रि में गरबा-डांडिया आयोजनों को लेकर हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने जताई चिंता, जांच की मांग

साहिबगंज : हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने नवरात्रि जैसे पवित्र धार्मिक पर्व के दौरान साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड में आयोजित किए जा रहे गरबा-डांडिया कार्यक्रमों को लेकर सामने आ रही सूचनाओं पर चिंता व्यक्त की है।उन्होंने जिला प्रशासन से संबंधित आयोजनों की प्रकृति,आयोजकों और व्यवस्थाओं की जांच



कर तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने कहा कि नवरात्रि मां दुर्गा की आराधना उपासना साधना और शक्ति की भक्ति का पावन अवसर है।गरबा और डांडिया केवल मनोरंजन के साधन नहीं,बल्कि धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े आयोजन हैं।ऐसे कार्यक्रमों में सनातन परंपराओं, धार्मिक मयार्दाओं और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान किसी भी प्रकार की अशोभनीय गतिविधि और परंपराओं के प्रति असम्मान की शिकायत मिलने पर उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मंच का कहना है कि धार्मिक आस्था के नाम पर आयोजित कार्यक्रमों में निर्धारित मयार्दाओं का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने व आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।मंच ने कहा कि धार्मिक आयोजनों की गरिमा बनाए रखने और सामाजिक सौहार्द कायम रखने के लिए प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ मामले पर ध्यान देना चाहिए।

साइबर अपराध डिजिटल अरेस्ट से बचाव के लिए आमजन को जागरूक करने पर जोर

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज श्री सुभाष के मार्गदर्शन में आज लोक अदालत कक्ष में पारा विधिक स्वयंसेवकों - न्याय मित्र के लिए साइबर सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में पारा विधिक स्वयंसेवकों को बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी पुलिस कॉल, सोशल मीडिया के दुरुपयोग तथा ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें



बताया गया कि साइबर अपराधी पुलिस सीबीआई ईडी अथवा अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को गिरफ्तारी का भय दिखाते हैं और पैसे की मांग करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में घबराने के बजाय सतर्क रहना चाहिए तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को पैसे हस्तांतरित नहीं करने चाहिए।कार्यशाला में

ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक खाते की जानकारी एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं करने, सदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने तथा अनजान स्रोतों से मोबाइल एप डाउनलोड नहीं करने के महत्व पर भी चर्चा की गई।पारा विधिक स्वयंसेवकों की निर्दिशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों, पंचायतों,

अस्पतालों एवं ग्रामीण इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी दें।इसके साथ ही साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने तथा साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के संबंध में लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पारा विधिक स्वयंसेवकों के माध्यम से जिले में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी एवं डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं से सुरक्षित रहने के लिए सजग बनाना था।

रांगा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा,तीन की मौत दो गंभीर

केसरों मोड़ के समीप हाईवा ने टोटो को मारी जोरदार टक्कर,जेसीबी और लोडर की मदद से निकाला गया घायल युवक

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा: रांगा थाना क्षेत्र के केसरो मोड़ के समीप गुरुवार की रात करीब 8:15 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सब्जी,फल और यात्रियों से भरे टोटो को एक हाईवा नंबर हड57ए 9069 ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई,जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।मिली जानकारी के अनुसार, टोटो रांगा की ओर से आ रहा था।उसमें बच्चों समेत कुल पांच लोग सवार थे।इसी दौरान केसरो मोड़ के समीप हाईवा ने टोटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टोटो हाईवा के



नीचे दब गया।हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक अन्य की मौत की भी सूचना है।एक घायल युवक हाईवा के नीचे फंसा हुआ

था।घटना की सूचना मिलते ही रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।स्थानीय लोगों की मदद से जेसीबी और लोडर मंगाकर हाईवा के नीचे फंसे युवक को बाहर

निकाला गया।इसके बाद घायलों को बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।गंभीर रूप से घायल सूरज खान (17) और आहिल खान (12) को प्राथमिक

उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की जानकारी मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार,हादसे में मृतकों की पहचान साहिल शेख 18,पिता उजिर शेख,निवासी मुगलपाड़ा;कयूम खान 27 पिता इरफान खान,निवासी मुगलपाड़ा तथा किशोर साहा 25,निवासी पतना चौक के रूप में बताई गई है।वहीं,घायलों में सूरज खान 17 पिता सोहिल खान,निवासी मुगलपाड़ा तथा आहिल खान 12 शामिल हैं।दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की जानकारी है।हादसे के बाद ग्रामीणों ने किया सड़क जाम भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत और दो लोगों के गंभीर रूप से

घायल होने की खबर फैलते ही स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध जताया।सड़क जाम होने से आवागमन प्रभावित हुआ और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।ग्रामीणों के बीच हादसे को लेकर काफी नाराजगी देखी गई। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को सभ्यालने का प्रयास किया। हादसे के कारणों आगे की पुलिस कार्रवाई की लेकर विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।इस दर्दनाक घटना से मृतकों के परिजनों में शोक की लहर है।एक ही हादसे में तीन लोगों की मौत से क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

न्यूज़INबीफ

आवास योजनाओं की प्रखंडवार समीक्षा कर निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश

साहिबगंज : सरकार के संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड रांची जितेन्द्र कुमार देव की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार साहिबगंज में ग्रामीण आवास योजनाओं की विस्तृत प्रखंडवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजनाझग्रामीण, अबूआ आवास योजना पीएम-जेएलएनएमएएन आवास योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी निर्धारित इंडिकेटर पर समयबद्ध एवं प्रभावी प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।समीक्षा के दौरान श्री देव ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप तेजी लाएं तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने योजनाओं के विभिन्न इंडिकेटर की निर्वर्मित निगरानी, लॉबित कार्यों के त्वरित निष्पादन तथा लाभुकों को योजनाओं का समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया।बैठक में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान आवास योजनाओं की प्रगति, कार्यों के निष्पादन तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बरहेट प्रखंड में आवासों का निरीक्षण एवं लाभुक का गृह प्रवेश समीक्षा बैठक के उपरांत संयुक्त सचिव श्री जितेन्द्र कुमार देव ने बरहेट प्रखंड में आवास योजनाओं के तहत निर्मित आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवास निर्माण की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। साथ ही, एक लाभुक के नवनिर्मित आवास में गृह प्रवेश कराया गया, जो लाभुक परिवार के लिए सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

सिकनी देवी मंडप में 11वें कलश स्थापना समारोह का शुभारंभ, तवरी नदी तट से निकली भव्य कलश यात्रा

लातेहार : शारदीय नवरात्र के अवसर पर चंदवा प्रखंड के सासंग पंचायत अंतर्गत सिकनी गांव में भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। गांव स्थित देवी मंडप में 11वें कलश स्थापना समारोह का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर तवरी नदी तट से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया। माता रानी के जयकारों से पूरा गांव भक्तिमय हो उठा। समारोह में लातेहार विधायक प्रकाश राम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं समाजसेवी लाल रंजन नाथ शाहदेव, लाल मनोज नाथ शाहदेव, जिला परिषद सदस्य सरोज देवी और मुखिया ललिता देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नवयुवक संघ सिकनी के सदस्यों ने अतिथियों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद अतिथियों ने कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा गांव का भ्रमण करते हुए तवरी नदी तट पहुंची। यहां आचार्य देवमणि वैद्य के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। इसके बाद श्रद्धालु महिलाओं ने कलश में जल भरा और कलश यात्रा के साथ देवी मंडप पहुंचीं। मुख्य यजमान विजय यादव, सुरेंद्र यादव, निरंजन यादव, ललित पाहन, विकास यादव और अनिल यादव ने सपन्नोक्त पूजा-अर्चना की। देवी मंडप में विधि-विधान के साथ कलश स्थापित किया गया। कलश स्थापना के बाद देवी मंडप में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं में पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दरबार में माथा टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित इस धार्मिक समारोह ने पूरे गांव को भक्तिमय बना दिया। मौके पर लाल रणविजय नाथ शाहदेव, अनिता देवी, तारकेश्वर यादव, अशोक यादव, ललित कुमार समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर लातेहार में चला जागरूकता अभियान, बच्चों ने सीखे हाथ धोने के छह चरण

लातेहार : विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर गुरुवार को लातेहार जिले के सभी प्रखंडों में स्वच्छता और हाथ धुलाई को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को साबुन से सही तरीके से हाथ धोने और व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने के प्रति जागरूक किया गया। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम उक्तमित उच्च विद्यालय, चंदनडीह में आयोजित हुआ। इसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम कुमार साहू, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता दीपक कुमार महतो, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका, जिला एवं प्रखंड हरअरह समन्वयक, जिला जल जांच प्रयोगशाला के कर्मी, शिक्षक, मीडिया कर्मी तथा छात्र-छात्राएं शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने हाथ धोने के छह चरणों का जीवंत प्रदर्शन कर स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं, स्वच्छता पर आधारित नुस्खड़ नाटक के माध्यम से लोगों को साफ-सफाई के महत्व से अवगत कराया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली।



हर साल की तरह इस साल भी मुंबई में ‘नॉर्थ बॉम्बे दुर्गा पूजा’ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान बॉलीवुड हस्तियां माता रानी का आशीर्वाद लेने आती हैं। हाल ही में काजोल

जया बच्चन के सपोर्ट में आई तनीषा मुखर्जी

की छोटी बहन और अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी ने पैस से अपील कि की वह दुर्गा पूजा के समय अभिनेत्री जया बच्चन को परेशान न करें। दुर्गा पूजा के एक इवेंट में मीडिया से बात करते हुए तनीषा ने कहा, ‘मैं देख रही हूँ कि आप लोग जया आंटी को बहुत परेशान कर रहे हैं। मैं देखती हूँ कि आपके कुछ रिपोर्ट्स जानबूझकर उन्हें उकसाने की कोशिश करते हैं, तो मेरी आप सभी से रिक्वेस्ट है कि हमारी दुर्गा पूजा में ऐसा मत कीजिएगा।’ तनीषा मुखर्जी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ‘हमारी जया आंटी को परेशान मत कीजिए, ओके?’

इतना ही नहीं, तनीषा ने भीड़ को लेकर भी लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान पंडाल में लाखों लोग आते हैं, इसलिए धक्का-मुक्की न करें,

एक-दूसरे का ख्याल रखें और थोड़ी शिष्टता और इंसानियत बनाए रखें। बता दें, जया बच्चन और पैपराजी के बीच की नोकझोंक अक्सर सुर्खियों में रहती है। जया कई बार पब्लिक में फोटो खींचने पर नाराजगी जता चुकी हैं।

वहीं, जया बच्चन भी हर साल इस दुर्गा पूजा पंडाल में आती हैं और तनुजा मुखर्जी परिवार के साथ उनका काफी पुराना और करीबी रिश्ता है। पूजा का मुखर्जी परिवार में खास महत्व रखता है। नॉर्थ बॉम्बे सर्बोर्जनन दुर्गा पूजा मुंबई की सबसे पुरानी और भव्य पूजाओं में से एक है, जिसकी स्थापना 1948 में अभिनेत्री काजोल और निर्देशक अयान मुखर्जी के दादा पद्मश्री शशधर मुखर्जी और उनकी पत्नी श्रीमती सतीरानी मुखर्जी ने की थी। अयान मुखर्जी, अभिनेत्री काजोल और तनिषा मुखर्जी के चचेरे भाई हैं।

नवरात्रि में राजपाल यादव की खास अपील



राजपाल यादव ने नवरात्र पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक अहम मुद्दा उठाया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि नवरात्र में सिर्फ देवी की पूजा करने तक सीमित न रहें, बल्कि महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभाएं। अभिनेता ने कहा कि हर बेटी को बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा करने और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने का अधिकार मिलना चाहिए। राजपाल यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अपनी बात रखी।

उर के मारे पैरालाइज हो जाती... मां बनने के बाद बड़े वजन पर ट्रेल होने पर

छलका कैटरीना का दर्द

‘अगर मैं हर बार लोगों के तानों के हिसाब से चलती, तो शायद डर के मारे पैरालाइज हो जाती और जिंदगी के किसी भी मोड़ पर आगे ही नहीं बढ़ पाती...’

ये शब्द बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के हैं, जिन्होंने आखिरकार प्रेम्नेंसी के बाद अपने बड़े हुए वजन पर हो रही भद्दी ट्रेलिंग पर चुप्पी तोड़ दी है। दरअसल, कुछ वक्त पहले गणेश चतुर्थी के मौके पर जब कैटरीना अपने पति विक्की कौशल के साथ अंबानी परिवार के सेलिब्रेशन में पहुंची थीं, तो उनके बदले हुए लुक और बड़े वजन को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया था. अब लंदन में अपने ब्यूटी ब्रांड के एक इवेंट में पहुंची कैटरीना ने ऐसे ट्रोल्स को मुहताज जवाब दिया है. ‘हमें बहुत सावधान रहना होगा कि सोशल मीडिया पर चल रही बातें हमारी खुद की नजरों में हमारी कीमत और वैल्यू को तय न करें. इंटरनेट पर हर किसी की अपनी राय है. अगर हम हर किसी की सोच के

हिसाब से चलने लगेंगे या सबको खुश करने की कोशिश करेंगे, तो हम कभी खुद के लिए फैसले ही नहीं ले पाएंगे. ‘जिंदगी में ऐसे दिन आते हैं जब पूरी दुनिया आपको तारीफ करती है और जश्न मनाती है. लेकिन कुछ वक्त ऐसा भी आता है जब आपको खुद का सबसे बड़ा चीयरलीडर बनना पड़ता है और अपना हौसला खुद ही बढ़ाना होता है. ‘ उन्होंने साफ कर दिया कि दूसरों की नेगेटिव बातों की वजह से उन्होंने कभी खुद पर भरोसा करना नहीं छोड़ा. ‘आपको इस पल में खुद को वैसे ही स्वीकार करना होगा जैसे आप हैं. जिंदगी के अलग-अलग पड़ाव पर यह रूप बदलता रहता है. कभी आपको लगता है कि आप हर चीज में बेस्ट कर रहे हैं, तो कभी लगता है कि कुछ भी ठीक नहीं हो रहा. कभी आप सबसे खूबसूरत महसूस करते हैं, तो कभी आप उस तक पहुंचने की कोशिश में होते हैं. इन सब बातों को दिल पर मत लीजिए, चीजों को हल्के में लीजिए और जिंदगी का मजा लीजिए.



कैटरीना के सपोर्ट में उतरे थे सलमान खान

कैटरीना के इस बयान से पहले, उनके एक्स-बॉयफ्रेंड और सुपरस्टार सलमान खान भी उनके बचाव में उतर चुके थे. ‘बिग बॉस’ के मंच पर ‘वीकेंड का वार’ के दौरान सलमान खान ने इस मुद्दे पर सीधा वार करते हुए ट्रोल्स को आईना दिखाया था. सलमान ने गुस्से में कहा था.



बॉक्स ऑफिस पर दृश्यम 3 का जलवा कायम, बनी 400 करोड़ कमाने वाली अजय देवगन की पहली फिल्म

हर बढ़ते दिन के साथ बॉक्स ऑफिस पर दृश्यम 3 नए रिकॉर्ड बना रही है. अब इस फिल्म ने रिलीज के 8 दिनों में 400 करोड़ पार किए हैं और ऐसा करने वाली अजय देवगन की पहली मूवी बन गई है. बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन को साल 2026 में उनके करियर की पहली 400 करोड़ी फिल्म मिल गई है. बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है. उन्होंने करियर में 15 से ज्यादा ऐसी फिल्में दी हैं जिन्होंने 100 करोड़ से ज्यादा कमाए हैं. लेकिन इसके बाद भी अभी तक साढ़े तीन दशक के करियर में अजय की कोई भी फिल्म 400 करोड़ की कमाई नहीं कर सकी थी. लेकिन दृश्यम 3 ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन किया और अपनी शानदार कमाई से चौंका दिया. 8 दिन में ही ये फिल्म अजय देवगन के करियर की टॉप फिल्म बन गई. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मौजूदा समय में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का पोटेंशियल कितना ज्यादा है और आने वाले वक्त में ये फिल्म इसी तरह अपनी बादशाहत कायम रख सकती है. ऐसा माना जा रहा है कि ये मूवी अजय देवगन के करियर की पहली 1000 करोड़ी फिल्म बन सकती है. बता रहे हैं कि फिल्म ने 8 दिनों में कितना कमा लिया है. अजय देवगन की दृश्यम 3 के कलेक्शन में 8वें दिन बढ़ोतरी देखने को मिली और ये फिल्म वीकेंड पर माहौल बनाती नजर आई. दृश्यम 3 ने सिनेमाघरों में 8वें दिन सैकनिकल की रिपोर्ट्स के मुताबिक 14.50 करोड़ रुपये की कमाई कर के दिखा दी है. फिल्म ने नेट कलेक्शन के मामले में 8 दिनों में 260 करोड़ रुपये का कलेक्शन

मैदान पर उतरेगी। जिम्बाब्वे की महिला टीम के लिए इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण रहा है। टीम ने इस वर्ष 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम को पिछली जीत सितंबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ मिली थी। दूसरी ओर, भारतीय टीम लगातार आठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीतकर इस सीरीज में उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में एशिया कप का खिताब और

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा अहम भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने इस वर्ष 24 टी-20 मुकाबलों में 162.83 के स्ट्राइक रेट से 863 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100 रन रहा है। वह इस सीरीज में उपकप्तान की जिम्मेदारी भी संभालेंगी। गेंदबाजी में श्री चरण भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं। उन्होंने इस वर्ष

23 मुकाबलों में 47 विकेट हासिल किए हैं और उनकी इकोनॉमी 5.67 रही है। इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। जिम्बाब्वे की ओर से केलिस एग्नुथोलुवु पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने इस वर्ष 18 टी-20 मुकाबलों में 320 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 104.23 रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले मुकाबले में उन्होंने 48 गेंदों पर 63 रन की पारी

खेली थी। गेंदबाजी में मिचेल मवुंगा से टीम को उम्मीदें रहेंगी। उन्होंने 10 मुकाबलों में आठ विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 46 रन देकर तीन विकेट रहा है। भारतीय टीम के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन भी अहम होगा। जेमिमा रोड्रिग्स हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं और इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में तीसरे नंबर पर अनुष्का शर्मा या निकी प्रसाद को मौका मिल सकता है। दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया-ए के

खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। रायपुर में अब तक पुरुषों के दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। यहाँ की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। इस वर्ष जनवरी में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन का लक्ष्य हासिल किया था। ऐसे में पहले मुकाबले में बड़े स्कोर की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मौसम की बात करें तो मैच के दौरान आसमान साफ रहने का अनुमान है।

‘काला हिरण’ फिल्म विवाद :

दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता सलमान खान को फिल्म ‘काला हिरण’ के निर्माता की ओर से दायर याचिका पर जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। फिल्म निर्माता ने अदालत से मांग की है कि सलमान खान की ओर से फिल्म पर रोक लगाने के लिए दायर मुकदमे को वापस लेने का निर्देश दिया जाए। निर्माता का तर्क है कि सलमान की ओर से दायर मुकदमे में दिल्ली की अदालत के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सलमान खान से जवाब मांगा है।

सलमान खान को 4 हफ्ते में देना होगा जवाब

जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट की ओर से चार हफ्ते का समय दिया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी। दरअसल, पूरा विवाद फिल्म का पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद शुरू हुआ। सलमान की तरफ से आरोप लगाया गया कि फिल्म में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है, जो काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है। उस किरदार के हाथ में सलमान खान जैसा मशहूर ब्रेसलेट भी नजर आया। सलमान का कहना है कि यह सब उनकी पहचान से जोड़कर दिखाया जा रहा है और उनकी अनुमति के बिना फिल्म में उनकी पर्सनैलिटी का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म के टीजर में 1998 के काले हिरण शिकार मामले से जुड़े संदर्भ भी दिखाए गए हैं। यह वही मामला है, जिससे सलमान खान का नाम लंबे समय से जुड़ा रहा है। सलमान की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े विवाद को कहानी का हिस्सा बनाया गया है और इसका इस्तेमाल फिल्म के प्रचार के लिए भी किया जा रहा है। उनका कहना है कि इससे उनकी छवि को नुकसान पहुंच सकता है और उनकी पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन हो रहा है। वहीं, फिल्म के डायरेक्टर भरत एस. श्रीनेत

का कहना है कि यह फिल्म सलमान खान पर नहीं है। फिल्म का किरदार काल्पनिक है और उसका नाम ‘अयान खान’ रखा गया है। डायरेक्टर ने ब्रेसलेट को लेकर भी कहा था कि ऐसा ब्रेसलेट सिर्फ सलमान खान ही नहीं पहनते। वहीं अभिनेता को सलमान जैसा दिखाने के लिए किसी तरह का प्रोस्थेटिक मेकअप नहीं किया गया है। 27 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने सलमान खान की आपत्ति पर फिल्म के टीजर और उससे जुड़ी कुछ प्रचार सामग्री के ऑनलाइन लिंक हटाने का अंतरिम आदेश दिया था।

16 दिसंबर को अगली सुनवाई

युजवेंद्र चहल ने किया खुलासा, क्यों रोहित शर्मा ने उन्हें विश्व कप 2023 टीम से किया था बाहर

विश्व कप में नहीं खेल पाने का मलाल



नई दिल्ली। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 2023 में घरेलू मैदान पर खेले गए वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन नहीं होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। चहल के मुताबिक, उस समय भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया था कि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को टीम में रखना चाहता था। इसके अलावा टीम एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल करने के पक्ष में थी। भारत के सबसे सफल सीमित ओवरों के स्पिनरों में शामिल चहल ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा से बातचीत में विश्व कप टीम से बाहर रहने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब वह 2023 में काउंटी क्रिकेट खेलने गए थे, तब रोहित शर्मा ने उनसे टीम संयोजन को लेकर बात की थी। चहल ने कहा, 2023 में, जब मैं काउंटी क्रिकेट खेलने गया था, तब रोहित ने मुझे बताया था कि हम आठवें नंबर तक बल्लेबाज चाहते हैं,

इसलिए हम उसी हिसाब से टीम बना रहे हैं। उन्होंने मुझे स्पष्ट रूप से बताया था कि वे विश्व कप के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की भी तलाश कर रहे हैं। इसलिए मुझे यह बात साफ कर दी गई थी। विश्व कप के बाद मैंने चयन के बारे में सोचना ही बंद कर दिया। 2024 टी20 विश्व कप टीम में मिली जगह, लेकिन खेलने का मौका नहीं : चहल ने अगस्त 2023 के बाद कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला, लेकिन उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली। हालांकि, वह पूरे टूर्नामेंट

वहल ने 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 96 विकेट लिए हैं। इसके बावजूद उन्हें 2021 और 2022 के टी20 विश्व कप, 2023 के वनडे विश्व कप और 2026 के टी20 विश्व कप में खेलने का अवसर नहीं मिला। विश्व कप से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए चहल ने कहा कि टीम में जगह ही नहीं मिलना उनके लिए टीम में शामिल होने के बावजूद मैच नहीं खेल पाने से ज्यादा तकलीफदेह था। उन्होंने 2021 और 2022 के टी20 विश्व कप का जिक्र करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। वहल ने कहा, हमूझसे 2021 में ज्यादा बुरा लगा था, क्योंकि मैं टीम में था ही नहीं। 2022 में कम से कम मैं टीम का हिस्सा था। कभी-कभी आपको यह भी पता होता है कि टीम का संयोजन शायद काम नहीं करेगा। इसलिए मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा। लेकिन हमेशा लगता है कि मुझे कम से कम विश्व कप का एक मैच तो खेलना चाहिए।

के दौरान बेंच पर ही बैठे रहे और उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद चहल ने आईपीएल 2024 में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने बताया कि उस सत्र में उन्होंने खुद पर अतिरिक्त दबाव डालने के बजाय खेल का आनंद लेने पर ध्यान दिया। उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा ने भी उन्हें टीम में शामिल करने की इच्छा जताई थी। चहल ने कहा, आईपीएल 2024 में मैं सिर्फ खेल का आनंद लेने आया था और मैंने खुद पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं

डाला। उस सत्र में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और रोहित ने मुझसे कहा कि वह मुझे टीम में चाहते हैं और हम चयन बैठक में इस पर विचार करेंगे। गकाउंटी क्रिकेट के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास : चहल ने हाल ही में नॉर्थम्पटनशायर की ओर से काउंटी क्रिकेट में अपना कार्यकाल पूरा किया। इसके बाद अगस्त 2026 में उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 49 मैचों में 148 विकेट हासिल किए।

भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला आज छत्तीसगढ़ के रायपुर में

रायपुर । भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहला मुकाबला आज शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7 बजे से शुरू होगा। रायपुर में पहली बार महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का आयोजन हो रहा है। वहीं, नियमित कप्तान के रूप में स्मृति मंधाना के नेतृत्व में भारतीय टीम पहली बार



सीजीपी की लहरा दो तिरंगा' यात्रा आज

21 प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन की योजना, सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की आज आहूत 'लहरा दो तिरंगा' यात्रा के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने 21 प्रमुख मार्गों पर परिवर्तन की योजना तैयार की है। कर्नाट प्लेस और इसके आसपास क्षेत्रों में 11 हजार से अधिक सुरक्षार्कर्मियों को तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस के मुताबकि, यात्रा की अनुमति नहीं दी गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नई दिल्ली इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है। इसके तहत बिना अनुमति प्रदर्शन, मार्च निकालने और भीड़ जुटाने पर रोक है।

कर्नाट प्लेस, राजीव चौक, जंतर-मंतर, संसद मार्ग और पालिका बाजार सहित लुटियंस दिल्ली के प्रमुख इलाकों में पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए तीन पाली (शिफ्ट) में 11 हजार से अधिक सुरक्षार्कर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें दिल्ली पुलिस के छह हजार से अधिक जवानों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की करीब



220 कंपनियां और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की टुकड़ियां शामिल हैं। इसके अलावा, करीब पांच हजार अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को रिजर्व में रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें तुरंत तैनात किया जा सके। कर्नाट प्लेस और राजीव चौक के आसपास बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है। प्रमुख स्थानों पर दंगा नियंत्रण वाहन सहित अन्य वाहन तैनात किए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिये निगरानी की जा रही है। पुलिसकर्मियों को भीड़ की गतिविधियां पर नजर रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल

पार्क को आज और कल तक आम लोगों के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया है। पार्क के आसपास बैरिकेडिंग कर पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने लोगों से प्रतिबंधीत क्षेत्रों में जाने और बिना अनुमति भीड़ जुटाने से बचने की अपील की है। पुलिस के अनुसार नियमों का पालन करते हुए सीमित संख्या में लोगों को दिल्ली यातायात पुलिस ने भी लोगों के लिए परामर्श जारी किया है। शुक्रवार दोपहर तीन बजे से कर्नाट प्लेस और आसपास के इलाकों में यातायात प्रभावित होने की आशंका है। जरूरत पड़ने पर करीब 21 प्रमुख मार्गों पर यातायात का मार्ग परिवर्तन किया जा सकता है। इनमें सलह मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग, बाराखंभा रोड, केजी मार्ग, अशोक रोड, मिंटो रोड और तिलक मार्ग प्रमुख हैं। इसके अलावा कर्नाट प्लेस के साथ आइट्टीओ, मंडी हाउस, ईडिया गेट और डीडीयू मार्ग पर

भी वाहनों का दबाव बढ़ने की आशंका है। यातायात पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक रूप से कर्नाट प्लेस और नई दिल्ली के मध्यवर्ती इलाकों में जाने से बचें। यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने और संभव हो तो मेट्रो से सफर करने की सलाह दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था और यातायात संबंधी प्रतिबंध हालात के अनुरूप लागू रहेंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे पुलिस के निर्देशों का पालन करें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

उल्लेखनीय है कि सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने गुरुवार को आम जनता से शुक्रवार शाम पांच बजे तिरंगा यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है। सीजेपी, वामपंथी दलों, विपक्षी पार्टियों और छात्र संगठनों यह विरोध प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को तत्काल रोकने को लेकर कर रहे हैं।

उप राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता सेनानी वीरापांड्या कट्टाबोम्मन की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि



नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी वीरापांड्या कट्टाबोम्मन की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, 'वीरापांड्या कट्टाबोम्मन ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के सामने झुकने से इनकार कर दिया और निडर होकर उसका विरोध किया। उनकी वीरता, बलिदान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के प्रति उनके अटूट संकल्प ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी है। गुलामी की बेड़ियों को

टुकराने वाले और देशभक्ति के जच्चे तथा हड़ संकल्प के साथ अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ने वाले वीरापांड्या कट्टाबोम्मन का वीरतापूर्ण जीवन, आने वाली पीढ़ियों तक लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा। उल्लेखनीय है कि वीरापांड्या कट्टाबोम्मन तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले (तब तिरुनेलवेली क्षेत्र) के पंचालंकुरिची के एक पलायकरर या पॉलीगर थे। उन्हें पंचालंकुरिची पलायम का कट्टाबोम्मन नायक भी कहा जाता था।

एनएसजी के जवानों का साहस, अनुशासन और समर्पण राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत नींव : धर्मेन्द्र प्रधान

भुवनेश्वर। संबलपुर के सांसद धर्मेद्र प्रधान ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के स्थापना दिवस पर बल के वीर जवानों के साहस, अनुशासन और व्यावसायिक दक्षता की सराहना की। धर्मेद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि एनएसजी के स्थापना दिवस पर भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न गंभीर चुनौतियों का सामना करने वाले एनएसजी के बहादुर जवानों के साहस, अनुशासन और असाधारण पेशेवर दक्षता का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए एनएसजी के जवानों की सदैव तत्परता और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण उनकी उत्कृष्ट सेवा परंपरा का प्रतीक है। उनका साहस और कर्तव्यनिष्ठा राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि वैश्विक व्यापार और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के हित में भारत -अमेरिका व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने ह्वायफेसह्न पर जारी पोस्ट में बताया कि सीतारमण ने बैंकॉक (थाईलैंड) में अयोजित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान (साउथ एशिया) के रजिडेंट सीनियर फेलो माइकल कुरेलेमैन के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, र दोनों देश के बीच बातचीत अभी चल रही है। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक व्यापार और दोनों सझेदारों, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार के हित में, यह व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा हो जाएगा।

98 लाख रुपये के गबन मामले में जेल में बंद भागलपुर डीपीओ को मिली बड़ी राहत, निगरानी अदालत ने दी एक माह की प्रोविजनल बेल

भागलपुर। जिला शिक्षा विभाग में हुए बहुचर्चित 98.12 लाख रुपये के सरकारी राशि गबन मामले में जेल की सलाखों के पीछे बंद डीपीओ शशि रंजन चौधरी को अदालत से बड़ी राहत मिली है। निगरानी की विशेष अदालत ने सुनवाई करते हुए आरोपी डीपीओ को एक माह की प्रोविजनल बेल मंजूर कर दी है। अदालत ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केस के जांच अधिकारी को कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अधिकारी एक माह की निर्धारित अवधि के भीतर मामले से जुड़ी केस डायरी और तमाम संबंधित साक्ष्यों को लेकर अदालत में हाजिर हों। इस जांच रिपोर्ट और सबूतों की गहन समीक्षा करने के बाद ही अदालत

आरोपित की नियमित जमानत याचिका पर आगे का निर्णय लेगी। उल्लेखनीय है कि यह पूरा घोटाला शिक्षा विभाग में एक फर्जी शिक्षिका के नाम पर अवैध भुगतान से जुड़ा है। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, 'तनुश्री' नाम की एक फर्जी शिक्षिका की जाली आईडी, फर्जी पैन और नकली प्रान नंबर बनाकर सरकारी खजाने से लाखों रुपये उड़ाए जा रहे थे। जुलाई तक फर्जी तरीके से करीब 52 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया गया था। अगस्त महीने में जब दोबारा 4,96,000 रुपये भेजने की कोशिश की गई, तो बैंक ने संदिग्ध लेन-देन भांपकर भुगतान पर रोक लगा दी, जिसके बाद इस पूरे महाघोटाले का पदार्फाश हुआ।

शुरूआती कारोबार में उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के कुछ देर बाद बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में उतार-चढ़ाव होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 25.47 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 74,341.08 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया। आईटी शेयरों में आई तेजी से बाजार को सहारा



मिला, लेकिन रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों में बिकवाली के कारण सेंसेक्स पर भी दबाव बना रहा। बिकवाली का दबाव बनने यह सूचकांक 74,012.99 अंक के स्तर तक गिर गया। वहीं लिवाली शुरू होने पर यह उछल कर 74,634.20 अंक तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 315.87 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,631.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की ही तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 67.75 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,065.10 अंक के स्तर से

कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही पहले बिकवाली का दबाव बना, जिसके कारण ये सूचकांक फिसल कर 22,913.80 के निचले स्तर तक गिर गया। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार कर रहे थे। लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल में तेजी आ गई लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 23,107.45 अंक तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 109.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,106.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,863 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,572 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,291 शेयर नुकसान उठा

कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर, 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। शुरूआती एक घंटे के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा 6.93 प्रतिशत, इन्फोसिस 4.02 प्रतिशत, टीसीएस 3.53 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.89 प्रतिशत और एचसीएल टेक 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचडीएफसी लाइफ 2.65 प्रतिशत, बीएसई लिमिटेड 2.60 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.28 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 1.27 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

नेपाल के बाढ़ पीड़ितों के लिए 333 करोड़ के राहत कार्यक्रम मंजूर, 487 करोड़ के प्रस्ताव विचाराधीन



परिषद के मुताबिक भोटेकोशी बाढ़ पीड़ितों को लक्षित करते हुए अब तक 318 एनजीओ ने 321 कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई है। इन सभी कार्यक्रमों का कुल बजट 3 अरब 33 करोड़ 62 लाख 72 हजार 958 रुपये है।

सराफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आई गिरावट का असर घरेलू सराफा बाजार में भी साफ साफ नजर आ रहा है। भारतीय सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ है। भाव में हुए बदलाव के बाद सोना आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सरस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी का भाव भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट गया है। कीमत में आई गिरावट के बाद देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,47,430 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,35,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली



सराफा बाजार में आज 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,47,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,47,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,47,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

किश्तवाड़ में लापता एसपीओ बशीर अहमद घर के पास मृत मिले, सर्विस राइफल बरामद

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) बशीर अहमद आज सुबह अपने घर के पास मृत मिले। इस दौरान उनकी सर्विस राइफल एसएलआर बरामद कर ली गई है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 55 वर्षीय बशीर अहमद अपनी सर्विस राइफल और एक मैगजीन के साथ वीरवार रात लापता हो गए थे। बनीपेरा त्रिगाम के मूसाधर के पुत्र बशीर 2025 से पेदिंद पोस्ट पर तैनात थे। पुलिस और सुरक्षा बलों ने उनके लापता होने की सूचना के बाद बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार वह सुबह करीब 7 बजे अपनी ड्यूटी पोस्ट से घर जाने के लिए निकले थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। बशीर अहमद की पत्नी ने बताया कि जब वह तय समय पर घर नहीं लौटे तो वह घबराकर पुलिस पोस्ट पहुंचीं और इसकी सूचना दी। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

नेपाल में जेन-जी आंदोलन से जुड़े 206 मुकदमे वापस होंगे, 220 आरोपी होंगे बरी

काठमांडू। नेपाल के गृह मंत्रालय ने जेन-जी आंदोलन के दौरान सरकारी कार्यालयों में तोड़फोड़ और आगजनी से जुड़े 206 मुकदमों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूर्व न्यायाधीश बाबुराम रेग्मी की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट लागू करने हुए मंत्रालय ने कम नुकसान वाली घटनाओं से संबंधित मामलों को वापस लेने की पहल की है। मंत्रालय के अनुसार, रेग्मी की अध्यक्षता वाली समिति ने इस तरह के 206 मुकदमों को वापस लेने की सिफारिश की है। इनमें पुलिस चौकियों, वार्ड कार्यालयों और अन्य सरकारी कार्यालयों में आगजनी व तोड़फोड़ करने के आरोपियों के खिलाफ दर्ज मामले शामिल हैं। इन मामलों में कुल 220 लोग आरोपित हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, हफ्तेले चरण में कम नुकसान वाली घटनाओं से संबंधित मुकदमे वापस लिए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इनमें से कई मामलों में नुकसान की राशि भी निर्धारित नहीं की गई है। हालांकि, सरकारी कार्यालयों में करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाने, लूटपाट और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ व आगजनी करने के आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाएंगे। समिति ने मुकदमों को पांच चरणों में वर्गीकृत कर सिफारिशें की हैं। समिति का निष्कर्ष है कि गंभीर प्रकृति के अपराधिक मामलों को वापस नहीं लिया जाना चाहिए। हालांकि, कुछ मामलों में यदि आरोपी नुकसान की भरपाई करने के लिए तैयार हों, तो आपसी सहमति से समझौता किया जा सकता

नेपाल पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, 9 सितंबर 2025 को हुई घटनाओं के सिलसिले में कुल 1,013 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में 1,013 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से 273 लोग फिलहाल जेल में हैं। आंदोलन में शामिल होने के आधार पर मुकदमे दर्ज किए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने सरकार पर मामले वापस लेने का दबाव बनाया था। इसी के बाद सरकार ने अध्ययन समिति का गठन किया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सरकारी और निजी संपत्तियों में लूटपाट व आगजनी से संबंधित घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, पुलिसकर्मियों की हत्या और हत्या के प्रयास से जुड़े कुछ मामले भी दर्ज हैं। हालांकि, हाल के दिनों में सरकार के निर्देश के बाद पुलिस ने इस तरह के मामलों में नए मुकदमे दर्ज करना बंद कर दिया है।

वैश्विक व्यापार के हित में भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द पूरा किया जाएगा: सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि वैश्विक व्यापार और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के हित में भारत -अमेरिका व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने ह्वायफेसह्न पर जारी पोस्ट में बताया कि सीतारमण ने बैंकॉक (थाईलैंड) में अयोजित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान (साउथ एशिया) के रजिडेंट सीनियर फेलो माइकल कुरेलेमैन के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, र दोनों देश के बीच बातचीत अभी चल रही है। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक व्यापार और दोनों सझेदारों, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार के हित में, यह व्यापार समझौता जल्द से जल्द पूरा हो जाएगा। सीतारमण ने कहा कि बीजिंग के साथ कई सालों की बातचीत के बावजूद, बढ़ता व्यापार अस्तुंगलन और चीन में भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच पर लगातार लगी पाबंदियां अभी भी बड़ी चिंता का विषय बनी हुई हैं। केंद्रीय वित्तमंत्री ने बताया कि भारत, तमाम मुश्किलों के बावजूद, अपनी विकास दर को बनाए रखने में बतयाया रहा है। वित्तमंत्री ने भारत की जीडीपी ग्रोथ पर कहा कि असल में कोविड के बाद पिछले चार-पांच सालों में हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहे हैं। ये प्रदर्शन उन प्रयासों के अनुरूप है जो हम लगातार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके मुख्य कारणों में 'समावेशी' होना शामिल है। सीतारमण ने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि सभी को संसाधनों तक पहुंच मिले, युवाओं को कोशल विकास के अवसर मिलें, और इसके साथ ही यह भी ध्यान रखना कि इस प्रक्रिया में वित्तीय अनुशासन बना रहे। हम इस बात को लेकर सजज हैं कि सार्वजनिक धन के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए, हमें यह अच्छी तरह पता है कि हम बेतहाशा पैसा खर्च नहीं कर सकते, भले ही हमें अर्थव्यवस्था के कमजोर तबकों का खयाल रखना पड़े। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीपूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण तय हो चुका है और अभी इसका कानूनी मसौदा तैयार किया जा रहा है।

कोहरे के कारण तीन माह के लिए 16 रेलगाड़ियां निरस्त

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल में संचालित होने वाली 16 रेलगाड़ियों को शीतकाल 2026-27 में कोहरे के कारण तीन माह के लिए निरस्त किया गया है। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने शुक्रवार को बताया कि काठगोदाम-जम्मू तबी (12207) 8 दिसंबर से 2 मार्च तक, जम्मूतबी-काठगोदाम (12208) 6 दिसंबर से 28 फरवरी तक, कानपुर सेंट्रल - काठगोदाम (12209)8 दिसंबर से 2 मार्च तक, काठगोदाम-कानपुर सेंट्रल (12210) 7 दिसंबर से 1 मार्च तक, योग नगरी ऋषिकेशस-जम्मू तबी (14605) 7 दिसंबर से 1 मार्च तक, जम्मू तबी योग नगरी ऋषिकेश स(14606) 6 दिसंबर से 28 फरवरी तक बरौनी जंक्शन अंबाला कैट 14530 3 दिसंबर से 1 मार्च तक अंबाला कैट बरौनी जंक्शन (14524)1 दिसंबर से 27 फरवरी तक, लालकुआं,-अमृतसर (14615) 5 दिसंबर से 27 फरवरी तक, अमृतसर-लालकुआं (14616) 5 दिसंबर से 27 फरवरी तक, पूर्णिया कोर्ट अमृतसर (14617) 3 दिसंबर से 2 मार्च तक, अमृतसर पुनिया कोर्ट (14618) 1 दिसंबर से 28 फरवरी तक, मालदा टाउन-न्यू दिल्ली (14003) 5 से 2 मार्च तक, न्यू दिल्ली-मालदा टाउन (14004) 3 दिसंबर से 28 फरवरी तक निरस्त रहेगी। टाटा अमृतसर (18103) 2 दिसंबर से 24 फरवरी तक 18104 दिसंबर से 26 फरवरी तक निरस्त रहेगी



मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री वशिष्ठ नारायण सिंह का हालचाल जाना, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की



पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज आई०जी०आई०एम०एस० जाकर पूर्व मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता श्रवशिश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव तथा चनपट्टिया के विधायक श्री अभिषेक रंजन के नवजात पुत्र की तबीयत का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने श्री वशिष्ठ नारायण सिंह एवं श्री नरेन्द्र नारायण यादव से बातचीत की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने उपस्थित चिकित्सकों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और बेहतर इलाज का निर्देश दिया। इस दौरान आई०जी०आई०एम०एस० के निदेशक डॉ॰ बिंदे कुमार एवं मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ मनीष कुमार मंडल सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

डीएवी में डॉ कलाम की जयंती व नवरात्रि पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में प्रार्थना सभा के दौरान पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनके जीवन, संघर्ष, वैज्ञानिक उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में योगदान की जानकारी दी गई। बच्चों को बड़े सपने देखने, मेहनत करने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी गई। शारदीय नवरात्र के अवसर पर विद्यार्थियों ने मां दुर्गा, मां काली और मां पार्वती की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और परंपराओं की झलक दिखाई गई। कार्यक्रम से विद्यालय परिसर भक्तिमय हो उठा।आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने विद्यार्थियों को प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने बच्चों से डॉ. कलाम के आदर्शों को अपनाने, जीवन में अनुशासन बनाए रखने और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का आह्वान किया। कार्यक्रम प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक रहा।

शांतनु मिश्रा बनाए गए राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष

रामगढ़ : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा शांतनु मिश्रा को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्होंने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शांतनु मिश्रा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी के. राजू , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश तथा सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व के इस निर्णय से झारखंड में पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में नई ऊर्जा मिलेगी। राजीव गांधी के विचारों एवं लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की भावना के अनुरूप ग्राम सभाओं और पंचायतों को अधिकार संपन्न बनाना, ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित करना तथा गांवों के अंतिम व्यक्ति तक लोकतंत्र की शक्ति पहुंचाना संगठन की प्रमुख प्राथमिकता होगी।

जिम्मेवारी मिलने पर शांतनु मिश्रा ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगे। झारखंड में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन को पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को उठाने तथा पंचायतों को उनके संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि ढूसशक्त ग्राम सभा, अधिकार संपन्न पंचायत और जनभागीदारी पर आधारित लोकतंत्र ही राजीव गांधी जी के सपनों के भारत की वास्तविक नींव है।

श्री मिश्रा ने विश्वास जताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से झारखंड में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लक्ष्य को नई गति मिलेगी।

शांतनु मिश्रा के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर रामगढ़ विधायक सह जिला अध्यक्ष ममता देवी, पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजाद अनवर सहित जिले के सभी कांग्रेस नेताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सरस्वती विद्या मंदिर में नवरात्र उत्सव, महिषासुर वध नाटक ने मोहा मन

रामगढ़ : कोयलॉवल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, रजरप्पा प्रोजेक्ट में नवरात्र उत्सव एवं कन्या पूजन का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में मां दुर्गा के नौ रूपों की आकर्षक झांकी सजाई गई। विद्यालय के वाहन भी देवी के नौ स्वरूपों के रूप में सजकर परिसर में पहुंचे, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचालक शत्रुघ्न प्रसाद, विद्यालय के सचिव चंद्रशेखर चौधरी और प्राचार्य उमेश प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विधि-विधान से कन्या पूजन किया गया। कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना, आरती और प्रसाद अर्पित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से नारी शक्ति के सम्मान और भारतीय संस्कृति में कन्याओं के महत्व का संदेश दिया गया।

नवरात्र उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा पर आधारित गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा मंचित हमहिषासुर वधह नाटक रहा। इसमें मां दुर्गा की शक्ति, साहस और पराक्रम के साथ अधर्म पर ध्म की विजय का प्रभावशाली चित्रण किया गया। विद्यार्थियों के अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुत डांडिया नृत्य ने उत्सव में उमंग और उत्साह भर दिया।

इस अवसर पर शत्रुघ्न प्रसाद ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहने का संदेश दिया। सचिव चंद्रशेखर चौधरी ने कहा कि नवरात्र शांति, साधना और संस्कार का पर्व है। कन्या पूजन नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। प्राचार्य उमेश प्रसाद ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों और नारी सम्मान की भावना विकसित करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन आचार्या डॉ गायत्री कुमारी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, बाल संसद की अध्यक्ष रीत कुमारी, प्रधानमंत्री आराध्या शाहदेव और बाल संसद के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

झारखंड

वरीय आईएसएस अधिकारी रवि रंजन मिश्रा के गायन और चित्रकारी के कायल हुए लोग

बिनय मिश्रा

रांची : भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2010 बैच के वरीय अधिकारी रवि रंजन मिश्रा अपनी प्रशासनिक कार्यकुशलता के साथ-साथ गायन और चित्रकारी की प्रतिभा के लिए भी खास पहचान रखते हैं। जेपीएससी के सचिव रह चुके श्री मिश्रा की बहुमुखी प्रतिभा लोगों को प्रभावित करती है। उनकी गायकी जहां श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती है, वहीं उनकी चित्रकारी कला भी उनकी रचनात्मक सोच और साधना का परिचय देती है।

मां दुर्गा की तस्वीरों में दिखाई प्रतिभा मां दुर्गा के आगमन और नवरात्र के पावन

अवसर पर रवि रंजन मिश्रा ने मां की कई आकर्षक तस्वीरें बनाकर अपनी चित्रकारी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी बनाई तस्वीरों में बारीकियों और कलात्मक अभिव्यक्ति की झलक देखने को मिलती है। उनकी यह कला बताती है कि व्यस्त प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच भी व्यक्ति अपनी रुचियों और रचनात्मक प्रतिभा को जीवंत रख सकता है।

गायन से श्रोताओं को करते हैं मंत्रमुग्ध रवि रंजन मिश्रा की गायकी भी उनकी विशेष पहचान है। भजन और साईं भजनों की प्रस्तुति में उनकी खास रुचि है। अपनी आवाज और गायन शैली से वह श्रोताओं



जमशेदपुर में दुर्गा पूजा की धूम, पंडालों के खुले पट, दर्शन करने के लिए लगा श्रद्धालुओं का तांता



संवाददाता

जमशेदपुर : लौहनगरी जमशेदपुर में मां पूजा का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। शहर के अलग-अलग इलाकों में बने भव्य पूजा पंडालों के पट खुलते ही मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। पूरे शहर में भक्ति, उल्लास और उत्सव का माहौल है। शहर की कई प्रमुख पूजा समितियां इस बार आकर्षक पंडालों के साथ मां

की आराधना कर रही हैं। इनमें हिंदी क्लब, रानीकुदर, श्री श्री रंकणी मंदिर, श्री उत्कल दुर्गा पूजा कमेटी, एग्रिको पूजा कमेटी और टूइलाडुंगरी पूजा कमेटी शामिल हैं। पंडालों में सुंदर सजावट और विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की पूजा में लीन हैं। जमशेदपुर में दुर्गा पूजा की परंपरा बहुत पुरानी और काफी लोकप्रिय है। यहां करीब 500

जगहों पर दुर्गा पूजा का आयोजन होता है। हर साल इन आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। पंडालों में सिर्फ दर्शन ही नहीं, बल्कि परिवार और दोस्तों के साथ उत्सव का आनंद लेने के लिए भी भीड़ जुट रही है। शहर में दुर्गा पूजा को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी पूजा समितियां श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए आयोजन को

सरकारी दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर! जर्जर नावों के सहारे नदी पार कर रहे लोग, यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

मेट्रो रेज की विशेष पड़ताल: पटना और सारण के नदी घाटों पर सुरक्षा मानकों के अनुपालन की हकीकत उजागर करने की पहल

अंजनी कुमार सिंह

पटना : बिहार में नौका परिचालन के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सख्त निर्देश जारी किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक होने का दावा सामने आया है। मेट्रो फंटेडर की टीम की पड़ताल के अनुसार, कई नदी घाटों पर आज भी जर्जर नावों के माध्यम से क्षमता से अधिक यात्रियों, मोटरसाइकिलों, पशुओं और अनाज की बोरियां को ढुलाई की जा रही है। इससे नाव पर सवार लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इन नावों पर यात्रियों के साथ-साथ भारी सामान भी लादा जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि प्रशासन ने सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं, तो उनका प्रभाव घाटों पर दिखाई क्यों नहीं दे रहा है? क्या सरकारी आदेश केवल बैठकों और कागजी कार्रवाई तक सीमित रह गए हैं? **बैठक में सख्त निर्देश, लेकिन धरातल पर अनुपालन पर सवाल**

नौका परिचालन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पटना एवं सारण के जिलाधिकारियों और वरीय पुलिस अधीक्षकों की ओर से बैठक आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई है। बैठक में संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों (एसडीओ), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों (एसडीपीओ), अंचलाधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।

हालांकि, मेट्रो रेज की टीम द्वारा उठाए गए सवालों के अनुसार, घाटों पर इन निर्देशों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित करने की जरूरत है। यदि सुरक्षा व्यवस्था के लिए आदेश जारी हो चुके हैं, तो उनकी नियमित



निगरानी और उल्लंघन पर कार्रवाई भी दिखाई देने चाहिए।

जर्जर नावों पर यात्रियों के साथ मोटरसाइकिल और भारी सामान की ढुलाई नावों की स्थिति को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई है। आरोप है कि कई नावों के फर्श में छेद हैं और यात्रियों के चलने के लिए बनाए गए हिस्से जर्जर अवस्था में हैं। ऐसी स्थिति में नाव पर चढ़ने-उतरने या चलते समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं, कुछ घाटों पर नावों में यात्रियों के साथ मोटरसाइकिल, पशु और अनाज की बोरियां भी लादे जाने की बात सामने आई है। इससे नाव पर अतिरिक्त भार पड़ने और संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय स्तर पर नौका परिचालन की व्यवस्था की नियमित जांच, नावों की तकनीकी स्थिति का आकलन और निर्धारित क्षमता का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रशासन को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि सुरक्षा मानकों का नौका परिचालन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उल्लंघन करने वाली नावों के विरुद्ध अब तक कया कार्रवाई की गई है।

घाटों पर कर्मियों की तैनाती और निरीक्षण व्यवस्था पर सवाल बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को संबंधित घाटों पर कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा नौका परिचालन से जुड़े व्यक्तियों और अधिकारियों की सूची तैयार रखने का निर्देश दिए जाने की बात कही गई है। प्रतिनियुक्त कर्मियों के बीच समन्वय स्थापित करने और निर्देशों के अनुपालन को निगरानी के लिए आंतरिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का भी निर्देश दिया गया। इसके साथ ही एसडीओ और एसडीपीओ को स्वयं घाटों का निरीक्षण कर नौका परिचालन की व्यवस्था का जायजा लेने को कहा गया। थाना प्रभारियों और अंचलाधिकारियों को भी घाटों पर तैनात कर्मियों की नियमित जांच करने की जिम्मेदारी दी गई। लेकिन मेट्रो रेज की टीम ने सवाल उठाया है कि इन व्यवस्थाओं का धरातल पर कितना क्रियान्वयन हुआ है। क्या सभी प्रमुख घाटों पर कर्मियों की तैनाती हो चुकी है? क्या अधिकारियों ने निरीक्षण किया है? क्या नौका

परिचालन की निगरानी के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था स्थापित की गई है? इन सवालों पर प्रशासन की ओर से स्पष्ट जानकारी सामने आना जरूरी है। **खरों के निशान, सुरक्षा संकेत और धारा 163 के अनुपालन की जरूरत** प्रशासनिक निर्देशों में घाटों पर खरों के निशान को लाल रंग से स्पष्ट रूप से अंकित करने पर भी जोर दिया गया है। नाव का जल के ऊपर दिखाई देने वाला हिस्सा, उसकी निर्धारित क्षमता तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा संकेत भी स्पष्ट रूप से चिह्नित किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, संबंधित क्षेत्रों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आवश्यक निषेधाज्ञा लागू करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया है।

हालांकि, इन निर्देशों की प्रभावशीलता तभी साबित होगी, जब घाटों पर उनका वास्तविक संकेत भी स्पष्ट रूप से चिह्नित किए जाने वाले नावों पर अतिरिक्त भार पड़ने और संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय स्तर पर नौका परिचालन की व्यवस्था की नियमित जांच, नावों की तकनीकी स्थिति का आकलन और निर्धारित क्षमता का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रशासन को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि सुरक्षा मानकों का नौका परिचालन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उल्लंघन करने वाली नावों के विरुद्ध अब तक कया कार्रवाई की गई है।

घाटों पर कर्मियों की तैनाती और निरीक्षण व्यवस्था पर सवाल बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को संबंधित घाटों पर कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा नौका परिचालन से जुड़े व्यक्तियों और अधिकारियों की सूची तैयार रखने का निर्देश दिए जाने की बात कही गई है। प्रतिनियुक्त कर्मियों के बीच समन्वय स्थापित करने और निर्देशों के अनुपालन को निगरानी के लिए आंतरिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का भी निर्देश दिया गया। इसके साथ ही एसडीओ और एसडीपीओ को स्वयं घाटों का निरीक्षण कर नौका परिचालन की व्यवस्था का जायजा लेने को कहा गया। थाना प्रभारियों और अंचलाधिकारियों को भी घाटों पर तैनात कर्मियों की नियमित जांच करने की जिम्मेदारी दी गई।

लेकिन मेट्रो रेज की टीम ने सवाल उठाया है कि इन व्यवस्थाओं का धरातल पर कितना क्रियान्वयन हुआ है। क्या सभी प्रमुख घाटों पर कर्मियों की तैनाती हो चुकी है? क्या अधिकारियों ने निरीक्षण किया है? क्या नौका

को भाव-विभोर कर देते हैं। गायन और चित्रकारी के प्रति उनका लगाव उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।

युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत प्रशासनिक सेवा में कार्यकुशलता, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कला के क्षेत्र में सक्रिय रहना अपने आप में प्रेरणादायक है। रवि रंजन मिश्रा की प्रतिभा यह संदेश देती है कि पेशेवर जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी रचनात्मक रुचियों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। उनकी यह बहुआयामी पहचान राज्य के लिए गौरव की बात है और युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने की प्रेरणा देती है।

मां संतोषी मंदिर लोगों के स्थान निष्ठा और श्रद्धा का अनुपम स्थल है



ज्योति पाठक

रांची के हृदय स्थली माने जाने वाला पहाड़ी मंदिर के समीप अवस्थित मां संतोषी के मंदिर में यूं तो प्रतिदिन भक्त जनों और श्रद्धालु तथा लोगों की भीड़ लगी रहती है किंतु शुक्रवार के दिन मंदिर में विशेष पूजा चना के लिए लोगों की काफी संख्या में भीड़ उपस्थित रहती है इस संदर्भ में मंदिर के पुजारी शशिकांत तिवारी बताते हैं कि मां संतोषी मंदिर के प्रांगण में यूं तो प्रतिदिन ही भक्त

जनों की उपस्थिति रहती है किंतु शुक्रवार को विशेष कथा और पूजा अर्चना के काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति रहती है पहाड़ी मंदिर संतोषी मंदिर में लोगों की उपस्थिति और कथा सुनने के साथ-साथ विशेष पूजा अर्चना भी की जाती है श्री तिवारी ने बताया कि माता की मंदिर काफी सुविख्यात है और भक्तजनों श्रद्धालु और आम लोगों की निरंतर उपस्थितमां की पूजा अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं।

